**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
उद्यानिकी और वानिकी विश्वविद्यालय के डॉ। वाई.एस.
नौनी सोलन, हिमाचल प्रदेश

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 28-07-2026**

**सोलान(हिमाचल प्रदेश ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-07-28 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2026-07-29 | 2026-07-30 | 2026-07-31 | 2026-08-01 | 2026-08-02 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 15.0 | 15.0 | 18.0 | 15.0 | 15.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 26.0 | 27.0 | 27.0 | 28.0 | 28.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 20.0 | 21.0 | 21.0 | 20.0 | 20.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 88 | 89 | 93 | 92 | 91 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 68 | 69 | 73 | 72 | 71 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 1 | 4 | 5 | 4 | 3 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 34 | 360 | 94 | 121 | 96 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 8 | 8 | 8 | 8 | 8 |
| चेतावनी | भारी वर्षा | कोई चेतावनी नहीं | भारी वर्षा | कोई चेतावनी नहीं | कोई चेतावनी नहीं |

## पूर्वानुमान सारांश:

अगले पाँच दिनों के दौरान जिले में मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा। 28 जुलाई से 1 अगस्त तक जिले के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। इस अवधि में अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 26.0–28.0°C तथा 20.0–21.0°C के बीच रहने का अनुमान है। दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा की गति 1.3–4.7 किमी प्रति घंटा रहने की संभावना है। सापेक्षिक आर्द्रता 68 से 93 प्रतिशत के बीच बनी रह सकती है।

## मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

 जिले के लिए 28 एवं 30 जुलाई को भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है।

## मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

 भारी वर्षा के कारण खेतों में जलभराव, मृदा कटाव, फफूंदजनित रोगों के प्रकोप तथा खड़ी फसलों के गिरने (लॉजिंग) का खतरा बढ़ सकता है। अतः किसानों को सलाह दी जाती है कि खेतों में अतिरिक्त पानी की निकासी हेतु उचित जल निकास नालियों की व्यवस्था करें।  वायुमंडलीय आर्द्रता में वृद्धि तथा लंबे समय तक नमी बने रहने से फफूंद एवं जीवाणुजनित रोगों जैसे जड़ सड़न, झुलसा रोग तथा पत्ती धब्बा रोग के फैलने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए किसानों को खेतों की मेड़ों पर उगी खरपतवार एवं झाड़ियों को हटाकर वायु संचार बेहतर बनाने की सलाह दी जाती है। साथ ही, रोगग्रस्त पौधों अथवा पौधों के संक्रमित भागों को खेत से निकालकर नष्ट करें।

## सामान्य सलाहकार:

| |
|---|
| □ भारी वर्षा के दौरान नदियों, नालों एवं निचले क्षेत्रों से दूर रहें, क्योंकि जलस्तर अचानक बढ़ सकता है। □ सभी फसलों में सिंचाई कार्य फिलहाल स्थगित रखें। □ वर्षा जल के संग्रहण एवं सुरक्षित भंडारण की उचित व्यवस्था करें। □ खेतों में जलभराव से बचने के लिए उचित जल निकासी नालियों की व्यवस्था करें। □ खरपतवारों की नियमित निकासी कर फसलों में वायु संचार बनाए रखें। □ कीट-ग्रसित फलों एवं प्रभावित टहनियों/प्ररोहों की नियमित रूप से हाथ से तुड़ाई कर उनका सुरक्षित निपटान करें। |

## लघु संदेश सलाहकार:

| |
|---|
| □ स्थानीय भाषा में कृषि मौसम संबंधी जानकारी प्राप्त करने हेतु Meghdoot App का उपयोग करें। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| सेब | □ सापेक्षिक आर्द्रता 75–95 प्रतिशत रहने के कारण सेब की फसल में स्कैब एवं अल्टरनेरिया पत्ती धब्बा रोग की नियमित निगरानी करें। □ लगातार बादल छाए रहने एवं अधिक आर्द्रता को देखते हुए किसी भी प्रकार का छिड़काव न करें। बागों से खरपतवार एवं झाड़ियों को हटाकर उचित वायु संचार बनाए रखें। |
| खीरा | □ किसान बेल वाली फसलों को उचित सहारा (स्टेकिंग) दें तथा खेतों में पानी की निकासी हेतु समुचित जल निकास नालियाँ बनाए रखें। □ फलों को सीधे मिट्टी के संपर्क में आने से बचाएँ। |
| टमाटर | □ परिपक्व फलों की समय पर तुड़ाई करें। □ मृदा जनित रोगों के जोखिम को कम करने के लिए पौधों की निचली पत्तियों को भूमि सतह से 10–15 सेमी तक हटा दें। □ खेतों में जलभराव से बचाव हेतु समुचित जल निकास नालियाँ बनाए रखें। □ फसल में बकआई रॉट (Buckeye Rot) एवं झुलसा (Blight) रोग की नियमित निगरानी करें। यदि रोगग्रस्त पौधे या पौधों के संक्रमित भाग दिखाई दें, तो उन्हें तुरंत खेत से निकालकर गड्ढे में दबाकर नष्ट कर दें। □ फलों को सीधे मिट्टी के संपर्क में आने से बचाएँ। □ तना एवं फल छेदक (Shoot and Fruit Borer) की रोकथाम के लिए संक्रमित फलों की नियमित रूप से हाथ से तुड़ाई करें तथा उन्हें सुरक्षित रूप से नष्ट करें। |
| शिमला मिर्च | □ परिपक्व फलों की समय पर तुड़ाई करें। □ फसल में सर्कोस्पोरा पत्ती धब्बा रोग (लाल-भूरे किनारे एवं सफेद केंद्र वाले धब्बे) की नियमित निगरानी करें। □ खेतों में जलभराव से बचाव हेतु उचित जल निकास की व्यवस्था करें तथा रोगग्रस्त पत्तियों को तुरंत हटाकर नष्ट करें, जिससे रोग का आगे प्रसार रोका जा सके। |
| अरबी | □ भारी वर्षा के दौरान अरबी के खेतों में उचित जल निकासी बनाए रखें तथा झुलसा (ब्लाइट) एवं कंद गलन (कॉर्म रॉट) रोग की नियमित निगरानी करें। रोगग्रस्त पौधों/पौधों के संक्रमित भागों को तुरंत हटाकर नष्ट कर दें। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | □ मानसून के दौरान खुरपका-मुंहपका (Foot and Mouth Disease–FMD) एवं ब्लैक क्वार्टर (Black Quarter–B.Q.) जैसी संक्रामक बीमारियों की संभावना को देखते हुए पशुपालकों को अपने पशुओं का समय पर टीकाकरण कराने की सलाह दी जाती है। |

## अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

| अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) | अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| सामान्य सलाह | □ मौसम एवं मृदा की वर्तमान परिस्थितियाँ वृक्षारोपण के लिए अनुकूल हैं। |
| पौध - संरक्षण | □ प्राकृतिक खेती करने वाले किसान साफ मौसम की स्थिति के दौरान अग्निअस्त्र, ब्रह्मास्त्र और नीमास्त्र तथा दशपर्णी अर्क का साप्ताहिक अंतराल पर 3.0 प्रतिशत और जीवामृत का नियमित अंतराल पर 10.0 प्रतिशत का छिड़काव करके कीटों के हमले को नियंत्रित कर सकते हैं। |

## मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

 भारी वर्षा के कारण खेतों में जलभराव, मृदा कटाव, फफूंदजनित रोगों के प्रकोप तथा खड़ी फसलों के गिरने (लॉजिंग) का खतरा बढ़ सकता है।  वायुमंडलीय आर्द्रता में वृद्धि तथा लंबे समय तक नमी बने रहने से फफूंद एवं जीवाणुजनित रोगों जैसे जड़ सड़न, झुलसा रोग तथा पत्ती धब्बा रोग के फैलने की संभावना बढ़ जाती है।

## प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

 अतः किसानों को सलाह दी जाती है कि खेतों में अतिरिक्त पानी की निकासी हेतु उचित जल निकास नालियों की व्यवस्था करें।  किसानों को खेतों की मेड़ों पर उगी खरपतवार एवं झाड़ियों को हटाकर वायु संचार बेहतर बनाने की सलाह दी जाती है। साथ ही, रोगग्रस्त पौधों अथवा पौधों के संक्रमित भागों को खेत से निकालकर नष्ट करें।

**Farmers are advised to download Unified ‘Mausam’ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.**

**Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/**

**Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details**

**Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details**